



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

पृष्ठ संख्या 01

(तकनीकी भाग अ)

ई-निविदा फार्म कुशल/अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति कार्य ठेका

निविदा प्रपत्र शुल्क रु. 1180/-उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. उदयपुर के नाम-

डी.डी/बैंकर चैक नं. :.....

दिनांक :.....

बैंक का नाम :.....

निविदा प्रोसेसींग शुल्क रु.2000/-MD,RISL JAIPUR के नाम-

डी.डी/बैंकर चैक नं. :.....

दिनांक :.....

बैंक का नाम :.....

अरनेस्ट मनी रु.5,00,000/-उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. उदयपुर के नाम-(धरोहर राशि)

डी.डी/बैंकर चैक नं. :.....

दिनांक :.....

बैंक का नाम :.....

(उपरोक्तानुसार तीनों डीडी/बैंकर चैक की प्रतियों को अपलोड करना अनिवार्य है।)

1. निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक : उडे/डेयरी/श्र.अ/2023/ 3197 दि 06-10-2023
2. निविदा सन्दर्भ : 22 / 2023-24
3. निविदा विषय : कुशल/अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति कार्य ठेका।
4. निविदादाता का नाम :
5. निविदादाता के पिता का नाम :
6. निविदा डाउनलोड करके अपलोड करने की प्रारम्भिक दिनांक व समय : 07.10.2023 साय:काल 05.00 बजे से
7. निविदा अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय : 28.10.2023 साय:काल 05.00 बजे तक
8. निविदा के डीडी जमा करने की अंतिम दिनांक व समय : 28.10.2023 साय:काल 05.00 बजे तक
(Form fee-DD, EMD-DD,RISL-DD charges etc. in physical form at Udaipur Dairy)
9. निविदा खोलने की दिनांक व समय(तकनीकी भाग अ) : 30.10.2023 प्रात:11.00 बजे संघ मुख्यालय
10. निम्नांकित लाइसेन्स/पंजीयन/दस्तावेजों की फोटो प्रतियाँ (स्वयं प्रमाणित) निविदा के पार्ट "अ" में अपलोड करें।

- (I) श्रम विभाग पंजीयन संख्या अपलोड करें :
- (II) पी.एफ. कोड संख्या पंजीयन अपलोड करें :
- (III) ई.एस.आई कोड संख्या पंजीयन अपलोड करें :
- (IV) आयकर स्थायी खाता संख्या अपलोड करें :
- (V) जी.एस.टी. (G.S.T.) नम्बर की प्रति अपलोड करें :
- (VI) निविदादाता को पेपर पर ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) एवं अनुबन्ध निरस्त नहीं होने का शपथ पत्र निविदा फॉर्म के प्रोफार्मा अनुसार अपलोड करें।:.....
- (VII) निविदादाता को 1 लाख लिटर प्रतिदिन या अधिक की प्रोसेसिंग क्षमता के प्रतिष्ठीत डेयरी संयंत्र में श्रमिकों की आपूर्ति का कम से कम दो वर्ष का अनुभव आवश्यक है इस हेतु अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करें।:.....
- (VIII) गत दो वर्षों के आयकर रिटर्न्स की प्रति अपलोड करें। :
- (IX) निविदादाता के अधिकृत व्यक्ति का नाम/मोबाईल नं./पहचान पत्र की फोटो प्रति अपलोड करें। :

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

11. निविदादाता का :-
(अ) स्थाई पत्राचार का पता :
 - (ब) टेलीफोन/मोबाईल संख्या
 - (स) ई-मेल (e-mail ID)
12. निविदादाता का इस आशय का सत्यापित शपथ पत्र की उसे, उसके किसी भी कृत्य में दण्ड के रूप में उसकी सुरक्षा/अमानत राशि जब्त नहीं की गई है, यह शपथ पत्र अपलोड करे। साथ ही इस तकनीकी फॉर्म (भाग अ) के समस्त पृष्ठ संख्या 1 से 13 तथा एनेक्चर A से D तक स्वहस्ताक्षरित कर, निविदा पार्ट अ के साथ अपलौड करे।
13. निविदादाता का कोई अपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिये।
14. ई-निविदा सम्बन्धि तीनो डी.डी/बैंकर चैक (फॉर्म शुल्क रु. 1180/-, प्रोसेसिंग शुल्क रु. 2000/- व धरोहर राशि रु. 5,00,000/-) को संघ कार्यालय में दिनांक **28.10.2023** को साय:काल: 5.00 बजे तक जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा निरस्त मानी जावेगी।
15. बैंकर्स का विवरण अपलोड करें।
16. सफल निविदादाता द्वारा किसी भी वर्ग में उपलब्ध करवाये गये कर्मकारों को उनको गत माह के मासिक भुगतान करने के पश्चात् तथा कर्मकार के भुगतान प्राप्ति पर हस्ताक्षर सहित सूची/बैंक में भेजी गई सूची की प्रति अपने अगले माह के बिल के साथ संघ में प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में सफल निविदादाता के बिल का भुगतान किया जाना सम्भव नहीं होगा।

नोट :- दर स्वीकृति पत्र प्राप्ति के 15 दिवस में मूल दस्तावेज सत्यापन हेतु संघ कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं उसके अभाव में कार्य आदेश जारी नहीं किया जावेगा। इसके लिये अतिरिक्त समय उपलब्ध नहीं होगा। मूल दस्तावेजों के अभाव में निविदा निरस्त की जावेगी एवं कार्य आदेश नहीं दिया जावेगा तथा धरोहर राशि को जब्त किया जायेगा।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर - 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

तकनीकी निविदा फार्म (भाग - "अ")

कुशल/अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति कार्य की निविदा भरने एवं अनुबन्ध हेतु सामान्य निर्देश एवं शर्तें

1. निविदा प्रपत्र दो भागों में विभाजित हैं। निविदा का प्रथम भाग तकनीकी (भाग-अ) तथा निविदा का दूसरा भाग वित्तीय जो BOQ में भरा जाना है। निविदादाता द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र के तकनीकी भाग "अ" के साथ ई-निविदा सम्बन्धि तीनों डी.डी./बैंकर चैक (फॉर्म शुल्क रु. 1180/-उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.उदयपुर, के नाम, प्रोसेसिंग शुल्क रु.2000/-MD, RISL JAIPUR के नाम व धरोहर राशि रु. 5,00,000/-उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. उदयपुर के नाम) की प्रतियों को अपलोड करनी होगी एवं मूल तीनों डीडी को निर्धारित जमा करने की अंतिम दिनांक व समय तक संघ में जमा करवानी होगी। जिससे अभाव में निविदा प्रपत्र को निरस्त माना जावेगा।
सफल निविदादाता की धरोहर राशि (अरनेस्ट मनी) , अमानत राशि के पेटे में समामेलित कर दी जावेगी।
2. निविदा प्रपत्र में निविदादाता को अपना पूरा नाम, पिता का नाम एवं पत्र व्यवहार का पूर्ण पता एवं दूरभाष/मोबाईल नम्बर अंकित करना होगा।
3. निविदादाता को अपनी दरें अंकों एवं शब्दों में BOQ में स्पष्ट रूप से अंकित करके अपलोड करनी होगी। शब्दों एवं अंकों में दरों में अंतर पाये जाने पर शब्दों में अंकित दर को ही मान्यता दी जावेगी।
4. अनुबन्ध अवधि एक वर्ष के लिये होगी जिसे दोनों पक्षों की सहमति से उक्त अनुबन्ध का नवीनीकरण आगामी एक वर्ष के लिये और किया जा सकेगा। इस प्रकार नवीनीकरण अधिकतम मूल अनुबन्ध अवधि के अतिरिक्त एक बार किया जा सकेगा। मूल अनुबन्धक अवधि अथवा नवीनीकरण के पश्चात् अनुबन्ध अवधि समाप्त होने की दशा में किसी कारणवश निविदा में विलम्ब होता है तो प्रबन्धन तीन माह अथवा नई निविदा होने तक, जो भी पहले हो, तक के लिए अनुबन्ध अवधि बढ़ाई जा सकेगी जो ठेकेदार को मान्य होगी। अनुबन्ध अवधि बढ़ाने का अंतिम निर्णय प्रबन्ध संचालक का होगा।
5. किसी निविदादाता द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्र BOQ के बिना दी गई निविदा दरों पर विचार नहीं किया जावेगा। साथ ही, निविदादाता को अपनी दरें निर्धारित निविदा शर्तों के अनुरूप ही देनी होगी। यदि निविदादाता अपनी ओर से कोई शर्त जोड़ता है तो वह मान्य नहीं होगी। निविदा स्वयं अथवा प्रमाणित प्रतिनिधि के माध्यम से निर्धारित दिनांक व समयावधि में ही अपलोड करनी होगी।
6. निविदादाता को निविदा प्रपत्र के साथ अनुबन्ध अवधि के लिए श्रम विभाग के सक्षम अधिकारी के द्वारा स्वीकृत कॉन्ट्रैक्ट लेबर (अबोलिशियन एण्ड रेगुलेशन) अधिनियम के तहत संघ में लगाने का लाइसेन्स की प्रति अपलोड करनी होगी व श्रमिकों की संख्या जो कार्य करेगी उनके अनुरूप लाइसेन्स में अंकित होना आवश्यक हैं। अपंजीकृत ठेकेदार की निविदा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। अधिनियम के अनुसार निर्धारित अभिलेख रखने व विवरणिका समय पर प्रस्तुत करने के लिए ठेका श्रमिक ठेकेदार स्वयं उत्तददायी होगा।
- 7- निविदादाता के पास स्वयं के नाम का पी.एफ कोड पंजीयन, ई.एस.आई. कोड पंजीयन, श्रम विभाग से पंजीयन, जी.एस.टी.नम्बर व पैन कार्ड नम्बर, दो वर्षों का आयकर रिटर्न तथा दो वर्षों का कार्यानुभव होना अनिवार्य हैं, निविदादाता को 1 लाख लिटर प्रतिदिन या अधिक की प्रोसेसिंग क्षमता के प्रतिष्ठीत डेयरी संयंत्र में श्रमिकों की आपूर्ति का कम से कम दो वर्ष का अनुभव आवश्यक हैं इस हेतु अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करना आवश्यक है इन समस्त दस्तावेजों की फोटो प्रति निविदा प्रपत्र तकनीकी भाग "अ" के साथ आवश्यक रूप से अपलोड करे। इसके अभाव में निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा। कमेटी के समक्ष अपलोड पत्रों का वेरीफिकेशन कमेटी सदस्यों द्वारा किया जावेगा। इनके अभाव में निविदा का वित्तीय भाग नहीं खोला जावेगा।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

8. अगर किसी निविदादाता के संबंध में भविष्य निधि /ई एस आई /जी एस टी के चालान रीटर्न जमा कराने या इन विषयों में अन्य अनियमितता बरती गई है अथवा अवेहलना की गई है तो उक्त निविदादाता की भाग अ को निरस्त किया जा सकेगा ।
9. अगर सफल निविदादाता द्वारा भविष्य निधि /ई एस आई /जी एस टी के चालान रीटर्न जमा करने या इन विषयों में अन्य अनियमितता 3 तीन महीने या अधिक बार तक की जाती है तो उक्त निविदादाता का अनुबन्ध बिना सूचना के निरस्त किया जा सकेगा तथा सम्बंधित निविदादाता को ब्लैक लिस्ट किया जा सकता है ।
10. स्वीकृत/सफल अनुबंधक को कुल 15 लाख की ब्याज मुक्त जमानत राशि संघ में जमा करानी होगी जिसमें रुपये 500000/-(अक्षरे पाँच लाख मात्र) नगद ब्याज मुक्त एवं रुपये 1000000/-(अक्षरे दस लाख मात्र) की बैंक गारण्टी 24 माह की अवधि तक के लिए अथवा नगद/डी.डी.के रुपये में संघ को देनी होगी। धरोहर राशि को जमानत राशि में समामेलित किया जा सकेगा । अनुबन्ध अवधि में वृद्धि होने पर बैंक गारण्टी पुनः उपरोक्तानुसार नवीनीकृत करवाकर देनी होगी। अनुबन्ध अवधि बढ़ायी जाने पर मूल अनुबंध में वर्णित समस्त नियम एवं शर्तें बढ़ी हुई अवधि हेतु भी लागू रहेगी ।
11. निविदा स्वीकृत होने पर नियमानुसार रुपये के नॉन-ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रोफार्मा में अनुबन्ध पत्र भरकर देना होगा।
12. निविदादाता द्वारा स्व प्रमाणित घोषणा पत्र सादे कागज पर ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) नहीं होने का शपथ पत्र निविदा के पार्ट "अ" में अपलोड करना होगा। इसके अभाव में निविदा का वित्तीय भाग नहीं खोला जावेगा। यदि अनुबन्धकर्ता के बारे में यह पाया जाता है कि किसी भी संघ अथवा राजकीय कार्यालय में पूर्व में अनुबन्धकर्ता द्वारा अनुबन्ध कार्य संतोषजनक रूप से पूर्ण नहीं कर पाया हो, सिक्योरिटी राशि जब्त की गयी हो और उसका अनुबन्ध निरस्त किया गया हो, जो ऐसे निविदादाता की निविदा मान्य नहीं होगी।
13. संघ में कार्यरत श्रमिकों की भविष्य निधि एवं ई.एस.आई की राशि के चालान के साथ कर्मचारीवार जमा राशि का विवरण (ई चालान के साथ जनरेट किया हुआ ई सी आर) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
14. निविदादाता को निविदा प्रपत्र के साथ अनुबन्ध अवधि के लिए श्रम विभाग के सक्षम अधिकारी के द्वारा स्वीकृत कॉन्ट्रैक्ट लेबर (अबोलिशन एण्ड रेगुलेशन) अधिनियम के तहत श्रम विभाग द्वारा जारी 100 या अधिक श्रमिकों को नियोजित करने का प्रचलित/पूर्व लाइसेन्स की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है ।
15. श्रमिक ठेकेदार को किसी भी परिस्थिति में संघ द्वारा स्वीकृत अनुबन्ध को किसी भी अन्य व्यक्ति को स्थानान्तरण का अधिकार नहीं होगा। यदि ऐसा होता है तो ठेकेदार पर शास्ति आरोपित की जावेगी एवं निविदा भी निरस्त की जा सकेगी।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

16. सफल निविदादाता द्वारा किसी भी वर्ग में उपलब्ध करवाये गये कर्मकारों को उनको गत माह के मासिक भुगतान करने के पश्चात् तथा कर्मकार के भुगतान प्राप्ति पर हस्ताक्षर सहित सूची/बैंक में भेजी गई सूची की प्रति अपने अगले माह के बिल के साथ संघ में प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में सफल निविदादाता के बिल का भुगतान किया जाना सम्भव नहीं होगा।
17. प्रबन्ध संचालक उक्त अनुबन्ध को संघ हित में बिना कारण बताये 15 दिवस के नोटिस पर समाप्त कर सकता है एवं प्रबन्ध संचालक को संघ हित में वर्तमान अनुबन्ध की किसी भी शर्त को विलोपित करने, शर्तों में छूट देने एवं ठेकेदार की सहमती से शर्तों में परिवर्तन करने अथवा नई शर्त लागु करने का अधिकार होगा।
18. प्रबन्ध संचालक के पास बिना कारण बताये किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
19. किसी भी विवाद की स्थिति में प्रबन्ध संचालक का निर्णय अंतिम होगा जो निविदादाता को मान्य होगा।
20. निविदादाता को 1 लाख लिटर प्रतिदिन या अधिक की प्रोसेसिंग क्षमता प्रतिष्ठीत डेयरी संयंत्र में श्रमिकों की आपूर्ति का कम से कम दो वर्ष का अनुभव आवश्यक है इस हेतु अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।
21. किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

तकनीकी निविदा फार्म (भाग –“अ”)

कुशल/अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति कार्य की निविदा हेतु अनुबन्ध अवधि में

अनुबन्धकर्ता के पालनार्थ विशेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध

1. दुग्ध संघ उदयपुर का मुख्य कार्य दुग्ध संकलन, दुग्ध उत्पादों का निर्माण, विपणन, इत्यादि गतिविधियाँ संचालित करना है। दूध प्रकृति की शीघ्र नष्ट होने वाली एवं संघ में कभी दूध आवक की मात्रा अधिक होती है तो कभी कम। इस कारण से संघ के कार्यों में उतार-चढ़ाव रहता है। तदनुसार अनुबन्धकर्ता को समय-समय पर श्रमिकों की बढ़ोतरी अथवा घटोत्तरी करने के निर्देश डेयरी प्रबन्धन द्वारा उपलब्ध करवाये जा सकते हैं। संघ के कार्यों में कमी होने पर ठेकेदार के नियोजन में कार्यरत ठेका श्रमिकों को हटाये जाने के निर्देश ठेकेदार को दिये जाते हैं तो ठेकेदार तुरंत अपने श्रमिकों को संघ से हटायेगा। श्रम से हटाने पर यदि किसी ठेका श्रमिक द्वारा श्रम विभाग में शिकायत व अन्य न्यायालय में शिकायत दायर की जाती है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी। समस्त न्यायिक प्रक्रिया में होने वाले हर्जे-खर्चे के लिए ठेकेदार व्यक्तिगत तौर से जिम्मेदार होगा।
2. कार्य आदेश प्राप्ति के पश्चात् निर्देशित अवधि में मांगी गयी संख्या में ठेका श्रमिक उपलब्ध करवाने होंगे। ठेका श्रमिकों की संख्या का निर्धारण समय-समय पर प्रबन्ध संचालक अथवा सम्बन्धित विभागाध्यक्षों द्वारा किया जा सकेगा।
3. कुशल/अकुशल सर्ग हेतु विभिन्न विभागों में नियोजित किये जाने वाले कार्मिकों के वेतन की दरों का निर्धारण संघ द्वारा किया जायेगा।
4. श्रमिक ठेकेदार द्वारा उपलब्ध करवाये गये ठेका श्रमिक 18 वर्ष की आयु से कम नहीं होने चाहिए तथा ठेका श्रमिक स्वस्थ एवं कार्य के लिए पूर्ण रूप से योग्य होने चाहिए। ठेकेदार अपने श्रमिकों के स्वास्थ्य की जाँच करवायेगा। अस्वस्थ श्रमिकों को कार्य पर नहीं रखेगा।
5. श्रमिक ठेकेदार द्वारा उपलब्ध करवाये गये ठेका श्रमिक आदतन अपराधी, आपराधिक रिकॉर्ड, पुलिस केस वाले श्रमिकों को संघ में कार्य पर नहीं लगायेगा। यदि ऐसा पाया जाता है तो ठेकेदार के विरुद्ध शास्ति आरोपित की जावेगा एवं ठेका भी निरस्त किया जा सकेगा।
6. श्रमिक ठेकेदार द्वारा उपलब्ध करवाये गये ठेका श्रमिकों को कार्य पर लगाने के लिए ठेका श्रमिक ठेकेदार स्वयं या उसका प्रतिनिधी आवश्यक निर्देश प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन उपस्थित रहेगा। वह ठेका श्रमिकों को कार्यालय समय में उपस्थिति देने हेतु पाबन्द करेगा अन्यथा ठेकेदार पर शास्ति आरोपित की जावेगी। अनुबन्धकर्ता ठेका श्रमिकों का साप्ताहिक अवकाश दिया जाना सुनिश्चित करेगा।
7. उपलब्ध ठेका श्रमिक कार्य के दौरान निर्देशों का उल्लंघन अथवा निर्धारित कार्य का सम्पादन नहीं करते हैं तो ऐसे ठेका श्रमिकों को हटाकर उनकी जगह दूसरे कार्य करने में, योग्य एवं कर्मठ ठेका श्रमिक उपलब्ध करवाने होंगे। संघ के कार्य सम्पादन में किसी भी प्रकार की लापरवाही के कारण यदि संघ की सम्पत्ति इत्यादि को किसी प्रकार का नुकसान होगा तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी ठेका श्रमिक ठेकेदार की होगी। निर्धारित मांगे गये ठेका श्रमिकों से कम या अधिक उपलब्ध करवाने पर संघ को किसी प्रकार का नुकसान होगा तो उसकी वसूली व क्षतिपूर्ति भी श्रमिक ठेकेदार से की जावेगी। उपरोक्त किसी भी प्रकार की हानि एवं ठेका की शर्तों का उल्लंघन होने पर प्रबन्ध संचालक को श्रमिक ठेकेदार पर अनुशास्ति (पेनाल्टी) लगाने का अधिकार होगा।



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

8. कोई अवांछित वस्तु अथवा घातक हथियार इत्यादि अनाधिकृत रूप से संघ परिसर में श्रमिक ठेकेदार के श्रमिकों द्वारा लाने पर पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। अन्यथा ऐसे कृत्य के कारण संघ को होने वाले नुकसान के लिए श्रमिक ठेकेदार स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा।
9. श्रमिक ठेकेदार अपने समस्त श्रमिकों को किये गये गत माह के मजदूरी भुगतान, पी.एफ., ई.एस.आई. व सर्विस टैक्स के चालान की छायाप्रतियाँ संघ में प्रस्तुत करने पर ही आगामी बिल की राशि देय होगी।
10. सफल निविदादाता को कार्य प्रारम्भ करने के एक माह की अवधि में अपने खर्च पर सभी कर्मकारों को वर्दी उपलब्ध करानी होगी तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके प्रत्येक कर्मकार प्रतिदिन निर्धारित वर्दी में कार्य स्थल पर उपस्थित हो। इसके अभाव में शास्ति सफल निविदादाता से वसूल की जा सकती है।
11. "विवाचन (आरबीट्रेशन) – उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., उदयपुर और निविदादाता के मध्य इन शर्तों में लागू नियम की व्याख्या अथवा उनके प्रयोग सम्बन्धी किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर संघ का मत अनुमान्य होगा। यदि संघ के मत से कोई निविदादाता असंतुष्ट है तो इससे उत्पन्न विवाद को संघ द्वारा नियुक्त एकल विवाचक (सोल आरबीट्रैटर) को विनिर्दिष्ट किया जा सकता है एवं समस्त कार्यवाही "आरबीट्रेशन एवं कन्सीलियेशन एक्ट 1996" के तहत सम्पादित की जायेगी। इस प्रकार की कार्यवाही में दिया गया निर्णय सभी पक्षों के लिए अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। विवाचन की कार्यवाही एवं अवाईस से उत्पन्न समस्त कार्यवाहियाँ उसी स्थान के न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अर्न्तगत होगी जिस स्थान पर उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का मुख्यालय स्थित है अर्थात् उदयपुर (राजस्थान) होगा।"
12. निविदादाता दुग्ध संघ के किसी भी उदयपुर दुग्ध संघ कर्मि का प्रथम डिग्री रिश्तेदार नहीं होना चाहिये। (प्रथम डिग्री से तात्पर्य है कि कर्मचारी के पिता-माता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री, पति-पत्नी से है।)
13. निविदादाता उदयपुर दुग्ध संघ की किसी भी दुग्ध समिति का सचिव अथवा अन्य कर्मचारी या प्रबन्धकारिणि का सदस्य अथवा सचिव का प्रथम डिग्री रिश्तेदार नहीं होना चाहिये। (प्रथम डिग्री से तात्पर्य है कि सचिव अथवा प्रबन्धकारिणि का सदस्य के पिता-माता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री, पति-पत्नी से है।)
14. श्रमिक ठेकेदार के श्रमिकों द्वारा संघ में प्रतिबन्धित पदार्थों (तम्बाकू, गुटका, शराब, नशीलें पदार्थों) नहीं लायेगा एवं न ही उनका उपयोग करेगा ऐसा पाये जाने पर उसे तुरन्त हटाना होगा।
15. तदुपरान्त सभी प्रसंग का न्याय क्षेत्र केवल और केवल उदयपुर की अदालत के न्याय अधिकार क्षेत्र में आयेगा।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर - 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

तकनीकी निविदा फार्म (भाग - "अ")

कुशल/अकुशल श्रमिकों की उपस्थिति, मजदूरी भुगतान व रिकॉर्ड संधारण हेतु इत्यादि के क्रम में निर्देश

1. ठेका श्रमिकों की उपस्थिति संलग्न प्रोफार्मा में प्रतिदिन श्रमिक ठेकेदार सम्बन्धित विभागाध्यक्षों से प्राप्त करेंगे तथा प्रमाणित करवाकर विभागाध्यक्षों से हस्ताक्षरित करवायेंगे। सम्बन्धित ठेका श्रमिक ठेकेदार प्रत्येक माह के समाप्त होने पर अगले माह की दो तारीख तक मासिक बिल संघ की प्रशासनिक शाखा में प्रस्तुत करेगा।
2. श्रमिक ठेकेदार इसके अतिरिक्त एक उपस्थिति पंजिका दो प्रतियों में भी रखेंगे जिसमें श्रमिकों के नाम मय उनके पिता का नाम एवं निर्धारित भुगतान दर, इत्यादि का उल्लेख होगा। कार्यालय प्रशासनिक शाखा द्वारा मांग करने पर यह पंजिका वह जांच हेतु उपलब्ध करवायेंगा तथा इसमें वह विभागाध्यक्षों द्वारा प्रमाणित हाजरी को दैनिक प्रत्येक श्रमिक के कॉलम के आगे माहवार दर्शायेगा और प्रत्येक श्रमिक की माहवार कुल हाजरी माह समाप्त होने पर अंकित करेगा तथा निर्धारित दर से उसका मासिक पारिश्रमिक अंकित करेगा तथा पी.एफ., ई.एस.आई. एवं अन्य वैधानिक कटौतियों की राशि नियमानुसार कटौति कर भुगतान योग्य राशि अंकित करेगा।
3. सिक्वोरिटी मेन गेट पर प्रत्येक ठेका श्रमिक के कार्य पर उपस्थित होने एवं कार्य समय पर पूर्ण होने पर डेयरी परिसर से बाहर जाने का समय अंकित किया जाएगा।
4. श्रमिक ठेकेदार का वैधानिक दायित्व के अनुसार प्रत्येक समाप्त हुए माह का ठेका श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान अगले माह की 7 तारीख तक वह निश्चित रूप से सम्बन्धित संघ प्रतिनिधी की उपस्थिति में करेगा। अन्यथा इसमें असफल होने पर श्रम कानूनों के अनुसार कोई अनुशास्ति एवं दण्ड के लिए श्रमिक ठेकेदार स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा।
5. निर्धारित समयावधि में श्रमिक ठेकेदार की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक कर्मकार जिन्हें संघ में ठेका श्रमिक के रूप में काम पर लगाया है उसे नियमानुसार पूर्ण भुगतान सुनिश्चित करना होगा।
6. यदि ठेकेदार निर्धारित अवधि में मजदूरी भुगतान करने में चुक करता है या निर्धारित मजदूरी से कम भुगतान करता है तो उस परिस्थिति में सम्बन्धित ठेका श्रमिक ठेकेदार का ठेका निरस्त किया जा सकता है।
7. ठेका श्रमिकों से सम्बन्धित समस्त रिकॉर्ड का संधारण ठेका श्रमिक ठेकेदार स्वयं रखेगा एवं संघ को किसी रिकॉर्ड की जरूरत पड़ने पर वह संघ को आवश्यक रूप से उपलब्ध करवायेगा। श्रम, फ़ैक्ट्री, बॉयलर्स, पी.एफ. एवं ई.एस. आई. विभागों के द्वारा समय-समय किये जाने वाले निरीक्षणों में सम्बन्धित रिकॉर्ड उपलब्ध करवाना होगा।
8. बाल श्रमिक (निशेध व नियमन) अधिनियम, 1986 के समस्त प्रावधानों की पूर्ण पालना का उत्तरदायित्व श्रमिक ठेकेदार का रहेगा।
9. श्रमिक ठेकेदार ई.एस.आई. अधिनियम के प्रावधानों के तहत संघ द्वारा निर्धारित मजदूरी दर के अनुसार नियमानुसार ई.एस.आई. की कटौति मासिक बिल से कर ई.एस.आई. अधिनियम के तहत की गयी कटौति राशि के साथ ठेकेदार (नियोक्ता) का अंशदान (दर में सम्मिलित है) सहित प्रत्येक माह ई.एस.आई. चालान द्वारा अपने ई.एस.आई. कोड में जमा करवाकर जमा चालान की एक प्रति संघ संस्थापन शाखा में समयानुसार उपलब्ध करायेगा। अपने नियोजन में कार्यरत समस्त ठेका श्रमिकों को ई.एस.आई. कार्ड उपलब्ध करायेगा तथा ई.एस.आई. कार्ड के अभाव में किसी भी ठेका श्रमिक के मेडीकल चिकित्सा/दुर्घटना के लिए वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा।
10. ठेका श्रमिकों का पी.एफ. नियमानुसार श्रमिक ठेकेदार द्वारा अपने कोड में जमा करवाकर चालान जमा की प्रतियां बिल के साथ प्रस्तुत करने पर ही बिल पारित किया जावेगा। ठेकेदार के नियोजन में कार्यरत ठेका श्रमिकों की पी. एफ. का वार्षिक रिटर्न की छायाप्रति कार्यालय को प्रस्तुत करेगा। अनुबन्ध समाप्ति के पश्चात श्रमिकों की भविष्य निधि की राशि की निकासी अथवा श्रमिकों द्वारा अन्य भविष्य निधि खाते में स्थानान्तरण कराने की पूर्ण जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

11. श्रमिक ठेकेदार प्रत्येक कर्मकार को आवंटित ई.एस.आई. सदस्यता क्रमांक की सूचना काम पर लगते ही संघ में देगा व अपने मासिक भुगतान बिल में ठेका श्रमिक का नाम, पिता का नाम का पूर्ण विवरण देना होगा। उक्त कार्यवाही पूर्ण कराने का दायित्व ठेकेदार का रहेगा। अन्यथा यह माना जायेगा कि पिछले माह श्रमिक ठेकेदार ने उक्त पूर्ति नहीं की है व तदानुसार ठेका शर्तों का उल्लंघन मान कर आवश्यक कार्यवाही की जा सकेगी।
12. ठेकेदार द्वारा निम्न अधिनियमों के प्रावधानों की पालना भी सख्ती से की जावेगी। अन्यथा ठेका शर्तों का उल्लंघन माना जावेगा :-
 1. कर्मचारी बोनस अधिनियम
 2. कर्मचारी औद्योगिक विवाद अधिनियम
 3. वर्कमेन कम्पन्शंसन अधिनियम
 4. भारतीय कारखाना व बॉयलर अधिनियम
 5. न्यूनतम मजदूरी अधिनियम
 6. मजदूरी भुगतान अधिनियम
 7. औद्योगिक रोजगार (स्थाई आदेश) अधिनियम, 1946
 8. मोटर यातायात कर्मकार अधिनियम, 1961
 9. कॉन्ट्रैक्ट लेबर एबोलियशन एण्ड रेगुलेशन अधिनियम
 10. अन्य श्रमिक अधिनियम जो संस्था पर लागू हैं।
 11. पी.एफ. एवं ई.एस.आई. अधिनियम

उक्त समस्त प्रावधान श्रमिक ठेकेदार पर अनुबन्ध अनुसार ठेका अवधि में लागू रहेंगे व उक्त प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक श्रमिक को मुख्य रूप से चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व श्रमिक ठेकेदार का रहेगा व इस हेतु किसी प्रकार की जिम्मेदारी वसूली शास्ति ठेकेदार पर लगायी जाती है तो श्रमिक ठेकेदार से वर्तमान व भविष्य में न्यायिक प्रक्रिया द्वारा वसूली करने को संघ स्वतन्त्र रहेगा। प्रतिष्ठान समस्त श्रम व औद्योगिक अधिनियमों/नियमों के अधीन कार्यरत हैं।

अतः ठेकेदार का दायित्व है कि ठेके पर कार्यरत समस्त श्रमिकों के सम्बन्ध में उक्त अधिनियमों, नियमों के प्रावधानों व उपबन्धों की पालना करे व इन अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार अपेक्षित रिकॉर्ड तैयार कर समय-समय पर वास्ते निरीक्षण केन्द्र या राज्य सरकार से सम्बन्धित कार्यालयों से कराये।
13. ठेका श्रमिक ठेकेदार अपने नियोजन में कार्यरत समस्त ठेका श्रमिकों को परिचय पत्र देगा।
14. उक्त समस्त शर्तों, ठेका स्वीकृत होने पर निष्पादित किये गये अनुबन्ध का हिस्सा रहेगा व अनुबन्ध की शर्तों के रूप में उपरोक्त समस्त शर्तें ठेकेदार लागू रहेंगी।
15. ठेकेदार यह सुनिश्चित करेगा कि समस्त ठेका श्रमिकों को हर माह की समाप्ति पर अगले माह की सात तारीख तक सम्बन्धित को मजदूरी का भुगतान संघ के प्रतिनिधी के समक्ष करें। इसमें किसी प्रकार की चूक होने पर प्रबन्ध संचालक के निर्णय अनुसार प्रतिदिन की शास्ति आरोपित की जा सकती है। श्रमिकों को देय मजदूरी में से किसी प्रकार की अवैधानिक कटौती करने पर बकाया मजदूरी व दस गुना शास्ति ठेकेदार से वसूल की जावेगी।
16. ठेकेदार मजदूरी भुगतान रजिस्टर में कर्मकार का नाम, पिता का नाम, कर्मकार का भविष्य निधी संख्या, ई.एस.आई. संख्या, मजदूरी दर, कुल कार्य दिवस, देय भुगतान, कटौतियाँ, भुगतान के पश्चात् सम्बन्धित कर्मकार से प्राप्ति रसीद प्राप्त करना सुनिश्चित करेगा। अन्यथा श्रमिक का उसकी मजदूरी का भुगतान किया जाना नहीं माना जावेगा।
17. अनुबन्ध की समाप्ति पर ठेकेदार की धरोहर राशि से किसी भी प्रकार की वैधानिक बकाया राशि की कटौति करने का पूर्ण अधिकार संघ को रहेगा व धरोहर राशि, बैंक गारण्टी लौटाने के लिए ठेकेदार को समस्त विभागों से "बकाया नहीं प्रमाण-पत्र" प्राप्त करना अनिवार्य हैं। इस आधार पर किसी प्रकार की बकाया होने पर धरोहर राशि, बैंक गारण्टी से कटौती की जा सकेगी। ठेका समाप्त होने पर इमडेमिनिटी बॉन्ड संघ कार्यालय में प्रस्तुत करेगा तथा उक्त बॉन्ड में भविष्य में उसके ठेके सम्बन्धित किसी विवाद के लिये व स्वयं बाध्य होने बावत उल्लेख करेगा।
18. मांगे गये श्रमिकों की संख्या से कम श्रमिक उपलब्ध कराने पर रुपये 500/- प्रतिदिन, प्रति श्रमिक शास्ति आरोपित की जा सकेगी।



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर – 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

19. भविष्य निधि एवं ई.एस.आई. के जमा चालानों की प्रतियाँ एवं भुगतान प्रपत्र की प्रतियाँ प्रतिमाह कार्यालय में प्रशासनिक शाखा में प्रस्तुत करनी होगी। टेका श्रमिकों के भविष्य निधि एवं ई.एस.आई. के सम्बन्ध में किसी प्रकार के विवाद के लिए सम्बन्धित टेकेदार स्वयं व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा तथा समस्त उत्तरदायित्व टेका श्रमिक टेकेदार का रहेगा। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा। ई.एस.आई. के छः मासिक एवं वार्षिक रिटर्न का छाया प्रति कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी।
20. सफल निविदादाता को प्रतिमाह सम्बन्धित कर्मकार/श्रमिकों को वेतन स्लीप मय कटौती विवरण के उपलब्ध करानी होगी तथा भुगतान बैंक के बचत खाते के माध्यम से किया जावेगा।
21. टेकेदार उसके नियोजन में कार्यरत सभी श्रमिकों को अपने खर्चे पर एक माह में वर्दी प्रदान करेगा एवं संघ में वर्दी में ही आने पर पाबंद करेगा। श्रमिक वर्दी में नही आने पर कार्यवाही/शास्ती आरोपित की जा सकेगी।
22. अनुबंधक को उनके द्वारा दुग्ध संघ में नियोजित समस्त श्रमिक कर्मियों का दुर्घटना एवं मेडिकलेम बीमा करवाना अनिवार्य होगा।
23. अनुबंधक के अधिनस्थ कार्मियों द्वारा संघ परिसर में चोरी, गबन अथवा अन्य आपराधिक कार्य किया जाता है तो उसकी नुकसान की भरपाई अनुबंधक को करनी होगी
24. निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा प्रपत्र के तकनीकी भाग "अ" के साथ पृष्ठ संख्या-01 से 13 एवं Annexure - A, B, C, D को अनिवार्य रूप से अपलोड करना आवश्यक है।

उपरोक्त समस्त शर्तें पढ़ली है व मान्य है।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

तकनीकी निविदा फार्म (भाग –“अ”) के साथ अपलोड करें

अण्डर टैकिंग/शपथ पत्र
(सादे कागज पर)

मैं पुत्र श्री उम्र..... वर्ष, निवासी
.....तहसील जिला (राज.) का हूँ, मैं शपथ पूर्वक
यह अधिकार पत्र देता हूँ कि :-

1. यह है कि मैं उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., उदयपुर से प्राप्त ठेकों के निमित्त/सम्बन्धित किसी भी प्रकार के एरियर राशि/शास्ति हूँ। राशि अथवा अन्य कोई देनदारी क्षतिपूर्ति (कम्पनशेसन) निविदा अवधि समाप्ति के उपरान्त भुगतान करना पड़ता है तो संघ द्वारा उक्त राशि मांगने पर तुरंत जमा करा दूंगा।
2. यह है कि संघ को मैं यह अधिकार देता हूँ कि पैरा एक में वर्णित राशि का भुगतान मेरी संघ में जमा प्रतिभूति राशि से जब्त कर प्राप्त कर सकते हैं।
3. यह कि संघ को यह अधिकार देता हूँ कि पैरा एक में वर्णित राशि की वसूली मेरी चल-अचल सम्पत्ति का अधिग्रहण/बेचान कर सकती है। उक्त प्रक्रिया में मेरा वारिश्मान की कोई दखलअंदाजी नहीं होगी।

मैं पुत्र श्री उम्र वर्ष, निवासी

यह शपथ पूर्वक तस्दीक करता हूँ कि उपरोक्त पैरा एक से तीन में वर्णित सभी तथ्य पूर्णतया सत्य हैं तथा मैं अपने होश-हवास में अपनी मर्जी से लिख दे रहा हूँ। परमात्मा मेरी रक्षा करें।

हस्ताक्षर निविदाकर्ता

नाम निविदादाता

पता

.....

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

तकनीकी निविदा फार्म (भाग –“अ”) के साथ अपलोड करें

काली सूची (ब्लैक लिस्टेड) व अनुबन्ध निरस्त नहीं होने हेतु प्रोफार्मा

षपथ पत्र

(सादे कागज पर)

मैं निविदादाता सुपुत्र श्री उम्र.....

निवासी यह शपथपूर्वक सत्यापित (घोषणा) करता हूँ कि मैं/हमारी कम्पनी, केन्द्र/राज्य सरकार का किसी भी संस्थान/समिति द्वारा ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) में नहीं किया गया हूँ/नहीं की गयी तथा मेरे/कम्पनी के द्वारा संघ अथवा राजकीय कार्यालय में कार्य संतोषपूर्ण किया गया है, सिक्यूरिटी राशि जब्त नहीं हुई है एवं अनुबन्ध निरस्त नहीं हुआ है। यदि ऐसा पाया जाता है तो संघ मेरी निविदा निरस्त/अस्वीकृत करने में स्वतंत्र होगा। इस हेतु मेरी तरफ से कोई वाद प्रस्तुत नहीं किया जावेगा।

निविदादाता अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर



उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.



गोवर्धन विलास, उदयपुर - 313002

फोन(ऑ.)0294-2640258,2640188 फैक्स : 0294-2640333

(वित्तिय भाग ब)

(यह प्रपत्र सन्दर्भ हेतु है , यहाँ दरे नही भरे , दरे आनलाइन BOQ में भरनी हैं)

कुशल/अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति कार्य ठेका दर निम्नानुसार प्रस्तावित है:-

मैं ठेके पर कार्यरत श्रमिकों को भुगतान दुग्ध संघ उदयपुर द्वारा निर्धारित दरों से करने एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर प्रकाशित न्यूनतम दर से भुगतान करने के लिए ठेका अवधि में वचनबद्ध रहूंगा। इसके उल्लंघन पर दस गुना पेनाल्टी लगाने के लिए संघ स्वतंत्र रहेगा। जो मुझे/हमें स्वीकार हैं। मजदूरी भुगतान के सम्बन्ध में यदि किसी ठेका श्रमिक ने कोई विवाद किया तो उसमें सक्षम न्यायालय-न्यायाधिकरण द्वारा जो भी निर्णय किया जावेगा, उसके लिए मैं स्वयं उत्तरदायी रहूंगा। संघ का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। राज्य सरकार की न्यूनतम मजदूरी नियमों के आधार पर अथवा संघ द्वारा निर्धारित दरें प्रति कार्य दिवस देय होगी। भविष्य निधि एवं ई.एस.आई का अंशदान संघ द्वारा पृथक से देय होगा।

श्रमिक ठेकेदार को प्रति श्रमिक प्रतिदिन सेवा शुल्क देय होगा ।

नोट :- राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी की दरों में वृद्धि की जाने पर, नियमानुसार वृद्धि की जा सकेगी।

संलग्न ई-निविदा शर्तों व उपरोक्त विवरणानुसार एक वर्ष की अवधि के लिए अनुबन्ध करने के लिए सहमत हूँ एवं उक्त

दर सम्बन्धी घोषणा - (अनुबन्धक द्वारा)

- (अ) कुशल एवं अकुशल श्रमिकों की राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर प्रकाशित न्यूनतम दरे एवं संघ द्वारा उच्च कुशल श्रमिकों हेतु निर्धारित दरों से भुगतान करने हेतु भविष्य निधि नियोक्ता हिस्सा 13.00 प्रतिशत तथा ई.एस.आई. का नियोक्ता का हिस्सा 3.25 प्रतिशत पृथक से देय होगा ।

इन दोनों प्रकार के श्रमिकों की आपूर्ति हेतु मेरा सुपरविजन चार्ज/रूपये अक्षरों.....रूपये प्रति श्रमिक/प्रतिदिन होगा जो कि ई-निविदा के BOQ फार्मेट में स्पष्ट अक्षरों में मैरे द्वारा अंकित किया जा रहा है ।

उपरोक्त न्यूनतम मजदूरी पर श्रमिक हिस्से की काटी जाने वाली भविष्य निधि एवं ई.एस.आई. की राशि (12 प्रतिशत भविष्य निधि तथा 0.75 प्रतिशत ई.एस.आई.) व नियोक्ता का हिस्सा पूर्ण रूपेण जमा करवाउंगा। न्यूनतम का कोई भी Break-up नहीं किया जावेगा। भविष्य निधि व ई.एस.आई. की गणना कुल न्यूनतम मजदूरी पर ही होगी। श्रमिक को माह में जितनी हाजरी का भुगतान होगा उतनी ही हाजरी पर भविष्य निधि व ई.एस.आई. देय होगी।

- (ब) जी.एस.टी. कुल बिल की राशि पर देय होगा, जिसका चालान अगले माह के बिल के साथ प्रस्तुत करूंगा। अन्यथा मेरे बिल में से पूर्व की राशि की वसूली कर काट ली जावे।
- (स) न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि होने पर अथवा संघ द्वारा नई संशोधित दरे लागू किये जाने पर , तदनुसार भविष्य निधि एवं ई.एस.आई. देय होगी। **सर्विस चार्ज में कोई परिवर्तन नहीं होगा।** जी.एस.टी. पृथक से देय होगा लेकिन चालान आगामी बिल के साथ प्रस्तुत किया जावेगा।

हस्ताक्षर निविदादाता
निविदादाता का पूर्ण नाम/पता

Item Rate BoQ

Validate Print Help

Tender Inviting Authority: UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHAKARI SANGH LIMITED, GOVERDHAN VILAS, AHMEDABAD ROAD, UDAIPUR

Name of Work:E-Tender for Providing Skilled and Unskilled Manpower in UDUSS Ltd , Udaipur

Contract No: 18/2021-22

Bidder Name :									
PRICE SCHEDULE									
(This BOQ template must not be modified/replaced by the bidder and the same should be uploaded after filling the relevant columns, else the bidder is liable to be rejected for this tender. Bidders are allowed to enter the Bidder Name and Values only)									
NUMBER	TEXT #	TEXT #	TEXT #	NUMBER #	NUMBER #	TEXT #	NUMBER #	NUMBER #	TEXT #
Sl. No.	Item Description	Item Code / Make	Quantity	Units	Rate in figure To be entered by the Bidder Rs/ Per Labour Per day (Inclusive of all taxes)	TOTAL AMOUNT With Taxes	TOTAL AMOUNT In Words	NUMBER #	TEXT #
1	2	3	4	5	13	53			55
1	Providing Skilled and Unskilled Manpower in UDUSS LTD,Udaipur								
1.01	SERVICE CHARGES (Supervision Charges) in Rs. Per Labour Per Day as Per details given in Annexures of Tender Document.	Per Labour Per Day	1.0000	Per Labour Per Day			0.00	INR Zero Only	
Total in Figures							0.00	INR Zero Only	
Quoted Rate in Words							INR Zero Only		

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .

GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B

Phone No. 2640188/2640803/ 2640839 Fax no. 2640333/2641754

Annexure A: Compliance with the code of Integrity and No. Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall-

- a. not offer any bribe, reward or gift of any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- b. not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- c. not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- d. not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- e. not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to and party or to its property to influence the procurement process;
- f. not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- g. disclose conflict of interest, if any; and
- h. disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is, considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

1. A Bidder may be considered to be in Conflict of interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/ shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
 - e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process, participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same Subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
 - f. The Bidder or any. of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid: or
 - g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Signature of Bidder

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD.

GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B

Phone No. 2640188/2640803/2640839 Fax no. 2640333/2641754

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my / our Bid submitted to Managing Director , Udaipur Dugdh Utpadak Sahakari Sangh Limited , Goverdhan Vilas , Udaipur (Rajasthan) for procurement of
.....in response to their Notice Inviting bid No.....Dated I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we Possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity.
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any Local Authority as specified in the Bidding Document.
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities Suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons.
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the, commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings.
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition.
6. I/we certify that all the documents / Certificatis / Liecence enclosed with Part A of the tender are true & Valid I am fully asponsible for the Correctness of the same .

Date:
Place:

Signature of Bidder
Name:
Designation:
Address:

**UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .
GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002**

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B
Phone No. 2640188/2640803/ 2640839 Fax no. 2640333/2641754

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Chairman , Udaipur Dugdh Utpadak Sahakari Sangh Limited , Goverdhan Vilas, Udaipur (Rajasthan).

The designation and address of the Second Appellate Authority is Managing Director , Rajasthan Co-Operative Dairy Federation Ltd , Saras Sankul, J.L.N. Marg , Jaipur (Rajasthan) .

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable,

- (2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.
- (3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- determination of need of procurement.
- provisions limiting participation of bidders in the Bid process.
- the decision of whether or not to enter into negotiations.
- cancellation of a procurement process.
- applicability of the provisions of confidentiality.

Signature of Bidder

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .

GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B

Phone No. 2640188/2640803/ 2640839 Fax no. 2640333/2641754

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

(6) Fee for filing appeal .

- (a) Fee for first appeal shall be rupees Two Thousand Five Hundred and for Second Appeal shall be rupees Ten Thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank Demand Draft or banker's Cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, Up on filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter,
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost,
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Signature of Bidder

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .
GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B
Phone No. 2640188/2640803/2640839 Fax no. 2640333/2641754

FORM No. 1
[See rule 83]

**Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement
Act, 2012**

Appeal No.....of.....

Before the..... (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

(i) Name of the appellant:

(ii) Official address, if any:

(iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

(i)

(ii)

(iii)

3. Number and date of the order appealed against
and name and designation of the officer / authority
who passed the order (enclose copy), or a statement
of a decision, action or omission of the Procuring
Entity in contravention to the provisions of the Act
by which the appellant is aggrieved.

4. If the Appellant proposes to be represented by a
representative, the name and postal address of
the representative.

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal

.....
.....(Supported by an Affidavit)

7. Prayer:.....
.....

Place

Date.....

Appellant's Signature

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .

GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B

Phone No. 2640188/2640803/ 2640839 Fax no. 2640333/2641754

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis

- i if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected.
 - ii if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
 - iii if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.
- If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be Disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract. the quantity of Goods, Works or Services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the bidding document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.

Signature of Bidder

UDAIPUR DUGDH UTPADAK SAHKARI SANGH LTD .

GOVERDHAN VILAS , UDAIPUR -313002

GST NO.: 08AAAFU4403B1ZR / PAN NO. AAAFU4403B

Phone No. 2640188/2640803/ 2640839 Fax no. 2640333/2641754

(iii) In case of procurement of Goods or Services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order- However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of Goods of the original Contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

**3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award
(In case of procurement of Goods)**

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second Lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

Signature of Bidder